Indian Journal of Modern Research and Reviews

This Journal is a member of the *'Committee on Publication Ethics'*

Online ISSN:2584-184X

Research Article

भारत में युवाओं को नशे से दूर करने एवं कैरियर निर्माण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की भूमिका: एक शोधपरक अध्ययन

श्री अजय कुमार श्रीवास (ग्रंथपाल)

शोधार्थी, पुस्तकालय एवं सुचना विज्ञान विभाग, कलिंगा यूनिवर्सिटी नया रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

Corresponding Author: * श्री अजय कुमार श्रीवास (ग्रंथपाल)

DOI: https://doi.org/10.5281/zenodo.21440162

Abstract

भारत में दुनिया की सबसे युवा आबादी है। वर्तमान में युवाओं को दो बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है: नशा की लत का बढ़ता ट्रेंड और नौकरी, करियर की इनसिक्योरिटी। वर्तमान समय में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (*AI*) एक बदलाव लाने वाली टेक्नोलॉजी के तौर पर उभर रही है जो युवाओं को एजुकेशन, मेंटल हेल्थ, स्किल डेवलपमेंट और करियर गाइडेंस के ज़रिए पॉजिटिव दिशा दे सकती है। मेरा यह शोधपत्र भारतीय युवाओं में नशा की लत की बढ़ती समस्या, इसके सोशियो-इकोनॉमिक कारणों और उनका AI-बेस्ड सॉल्यूशन का एनालिसिस करता है। रिसर्च में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 (NEP 2020), डिजिटल एजुकेशन प्लेटफॉर्म, *AI*-बेस्ड करियर काउंसलिंग, मेंटल हेल्थ चैटबॉट और स्कूल-बेस्ड नशा रोकने के प्रोग्राम की जांच की गई है। स्टडी में पाया गया कि *AI* युवाओं को पर्सनलाइज़्ड लर्निंग, स्किल डेवलपमेंट, नौकरी की जानकारी, मेंटल हेल्थ सपोर्ट और नशा की लत से जुड़ी काउंसलिंग दे सकता है। अगर भारत सरकार, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और टेक्नोलॉजी कंपनियां मिलकर काम करें, तो *AI* भारत के युवाओं को नशा की लत से उबरने और "डेमोग्राफिक डिविडेंड" को एक मज़बूत देश बनाने में मदद कर सकता है।

Manuscript Information

- **ISSN No:** 2584-184X
- **Received:** 07-06-2026
- **Accepted:** 15-07-2026
- **Published:** 19-07-2026
- **MRR:**4(7); 2026: 130-139
- **©2026, All Rights Reserved**
- **Plagiarism Checked:** Yes
- **Peer Review Process:** Yes

How to Cite this Article

श्रीवास अ. कु . भारत में युवाओं को नशे से दूर करने एवं कैरियर निर्माण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) की भूमिका: एक शोधपरक अध्ययन. Indian J Mod Res Rev. 2026;4(7):130-139.

Access this Article Online

www.mrrjournal.in

कुंजी शब्द: कृत्रिम बुद्धिमत्ता, युवा, नशामुक्ति, कैरियर निर्माण, डिजिटल शिक्षा, भारत, मानसिक स्वास्थ्य, NEP 2020

© 2026 श्री अजय कुमार श्रीवास (ग्रंथपाल). This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

1. प्रस्तावना

भारत दुनिया के सबसे युवा देशों में से एक है, जिसकी लगभग 65% आबादी 35 साल से कम उम्र की है। यह डेमोग्राफिक स्ट्रक्चर भारत के लिए एक बड़ा मौका देता है, क्योंकि युवा किसी भी देश की इकोनॉमिक ग्रोथ, सोशल डेवलपमेंट और इनोवेशन का मुख्य पिलर होते हैं। अगर इस युवा क्षमता को सही दिशा, रिसोर्स और मौके दिए जाएं, तो यह भारत के सस्टेनेबल डेवलपमेंट और ग्लोबल कॉम्पिटिटिवनेस को मजबूत कर सकता है।

हालांकि, भारतीय युवाओं को अभी कई मुश्किल चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। खासकर, बढ़ता नशे एब्यूज, डिजिटल एडिक्शन, बेरोजगारी, मेंटल स्ट्रेस और सोशल प्रेशर उनके ओवरऑल डेवलपमेंट पर असर डाल रहे हैं। इन समस्याओं में, नशे की लत का बढ़ता ट्रेंड एक गंभीर सोशल, हेल्थ और इकोनॉमिक चुनौती के रूप में सामने आया है। हाल की स्टडीज़ के अनुसार, भारत में लगभग 15 मिलियन टीनएजर (10-17 साल के) किसी न किसी तरह के नशे के दुरुपयोगके संपर्क में हैं। यह स्थिति सिर्फ पर्सनल हेल्थ तक ही सीमित नहीं है, बल्कि फैमिली, सोशल और नेशनल प्रोडक्टिविटी पर भी बुरा असर डालती है।

युवाओं में नशा की लत कई आपस में जुड़ी वजहों से होती है, जैसे बेरोज़गारी, करियर को लेकर अनिश्चितता, परिवार का तनाव, समाज का दबाव, दोस्तों का असर और डिजिटल मीडिया का बढ़ता असर। इस डिजिटल ज़माने में, सोशल मीडिया, ऑनलाइन गेमिंग और इंटरनेट के बहुत ज़्यादा इस्तेमाल ने युवाओं की लाइफस्टाइल और मेंटल हेल्थ पर बहुत बुरा असर डाला है। डिजिटल लत से अटेंशन डेफिसिट डिसऑर्डर, सोशल आइसोलेशन, एंग्जायटी, डिप्रेशन और इमोशनल अस्थिरता जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, जो इनडायरेक्टली नशा की लत में योगदान दे सकती हैं।

ऐसे हालात में, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) एक असरदार सॉल्यूशन के तौर पर उभर रहा है। AI-बेस्ड टेक्नोलॉजी एजुकेशन, हेल्थ, एम्प्लॉयमेंट, स्किल डेवलपमेंट और मेंटल हेल्थ काउंसलिंग के फील्ड में नई पॉसिबिलिटीज़ खोल रही हैं। AI के ज़रिए, युवाओं को उनकी पर्सनल ज़रूरतों के हिसाब से एजुकेशनल गाइडेंस, स्किल ट्रेनिंग, करियर काउंसलिंग और मेंटल हेल्थ सपोर्ट दिया जा सकता है। खास तौर पर, AI-बेस्ड एनालिटिकल सिस्टम रिस्क वाले युवाओं की पहचान, बिहेवियरल पैटर्न की स्टडी और समय पर इंटरवेंशन की पॉसिबिलिटी को मज़बूत करते हैं।

इस पेपर का मकसद भारतीय युवाओं में बढ़ती नशे की लत प्रॉब्लम के सोशल, इकोनॉमिक और साइकोलॉजिकल कारणों को एनालाइज़ करना और यह स्टडी करना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-बेस्ड टेक्नोलॉजी प्रिवेंशन, अवेयरनेस, काउंसलिंग और रिहैबिलिटेशन में कैसे मदद कर सकती हैं। यह रिसर्च मॉडर्न टेक्नोलॉजी और सोशल चैलेंज के बीच इंटररिलेशनशिप को समझने की कोशिश करती है, जिससे युवाओं के होलिस्टिक डेवलपमेंट के लिए असरदार स्ट्रेटेजी डेवलप की जा सकें।

2.अध्ययन के उद्देश्य

इस रिसर्च पेपर का उद्देश्य भारतीय युवाओं में नशा की बढ़ती लत की समस्या और उनके करियर डेवलपमेंट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की भूमिका की स्टडी करना है। यह रिसर्च युवाओं की मेंटल हेल्थ, एजुकेशन, स्किल डेवलपमेंट और नौकरी से जुड़े अलग-अलग पहलुओं को एनालाइज़ करती है। रिसर्च का मकसद यह समझना है कि AI-बेस्ड टेक्नोलॉजी युवाओं को पॉजिटिव दिशा देने में कैसे मदद कर सकती हैं, जिससे वे नशा से दूर हो और खुद से आत्मनिर्भर बन सकें। इस स्टडी के मुख्य उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

1. भारत में युवाओं के बीच नशीली दवाओं की लत की समस्या का विश्लेषण करना।
2. युवाओं के करियर विकास में AI की भूमिका का अध्ययन करना।
3. AI-आधारित नशामुक्ति और मानसिक स्वास्थ्य उपायों का मूल्यांकन करना।
4. भारत में NEP 2020 और डिजिटल शिक्षा के संदर्भ में AI की उपयोगिता को रेखांकित करना।
5. युवाओं के लिए स्पष्ट नीति हेतु सुझाव।

3. शोध पद्धति

यह शोध-पत्र द्वितीयक आंकड़ों पर आधारित है, इसमे वर्णनात्मक और विश्लेषणात्मक शोध पद्धति अपनाया गया साथ ही अध्ययन के लिए सरकारी रिपोर्टों, शोध पत्रों, PubMed, Frontiers, SAGE Journals, NEP 2020 दस्तावेजों और राष्ट्रीय समाचार स्रोतों का उपयोग किया गया।

4. भारत में युवाओं में नशे की स्थिति

भारत में युवाओं के बीच शराब, तंबाकू, नशा तथा डिजिटल व्यसन तेजी से बढ़ रहे हैं। हालिया अध्ययनों के अनुसार:

© 2026 श्री अजय कुमार श्रीवास (ग्रंथपाल). This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

Table: 1

नशे से प्रभावित भारतीय किशोर (10–17 वर्ष)				
क्रमांक	श्रेणी / विवरण	आँकड़ा / प्रतिशत	विवरण	स्रोत (वर्ष)
1	नशे से प्रभावित किशोर	1.5 करोड़	10–17 वर्ष के किशोर	IJCMPH, 2025
2	उपचार अंतर	73%	किसी न किसी प्रकार के नशे के संपर्क में	SAGE Journals, 2025
3	जन स्वास्थ्य पर प्रभाव	गंभीर समस्या	–	PubMed, 2025
4	नशे के प्रमुख कारण (प्रतिशत में)		–	–
5	बेरोजगारी एवं कैरियर भ्रम	28%	–	IJCMPH 2025, PubMed 2025, The Times of India 2025
6	मानसिक तनाव एवं अवसाद	22%	–	
7	साथियों का दबाव	18%	–	
8	पारिवारिक विघटन	12%	–	
9	सोशल मीडिया / डिजिटल व्यसन	10%	–	
10	शैक्षणिक दबाव	10%	–	

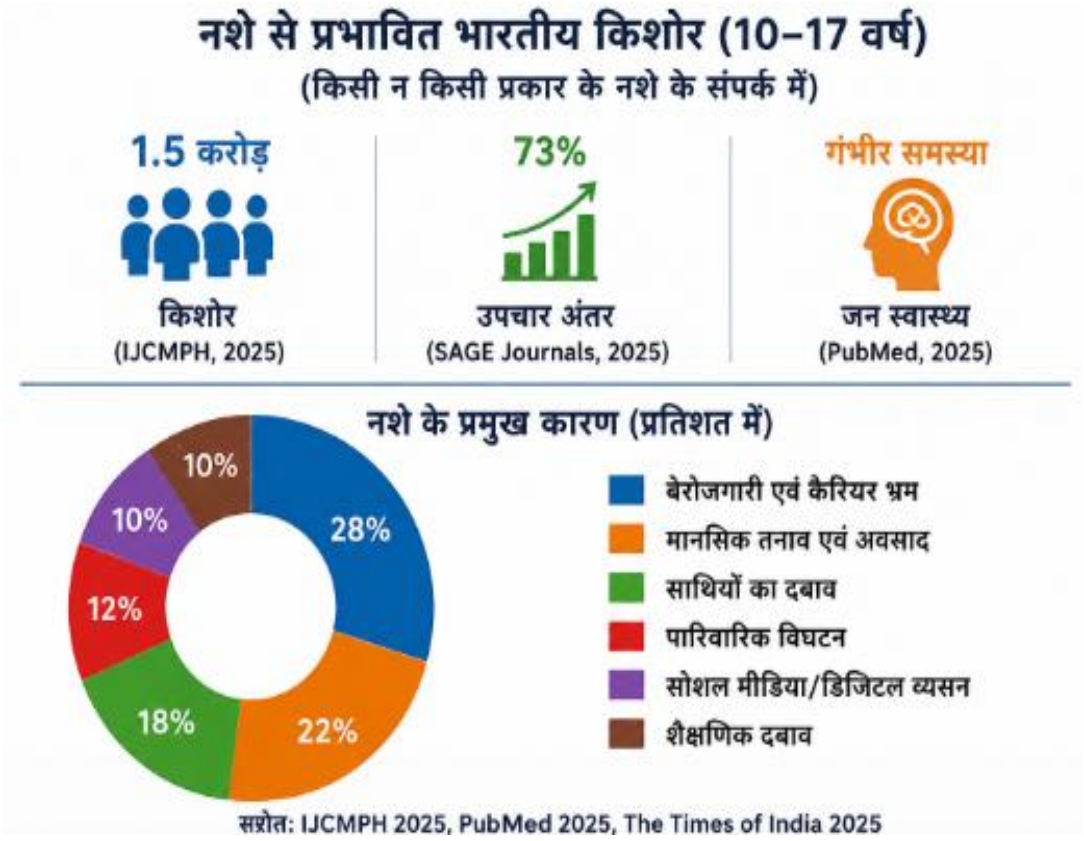

चित्र: 1

© 2026 श्री अजय कुमार श्रीवास (ग्रंथपाल). This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

चित्र 01एवं टेबल 01 भारत में किशोरों और युवाओं में नशे की लत की बढ़ती समस्या को दिखाते हैं। इस चित्र के अनुसार, भारत में लगभग 15 मिलियन किशोर (10–17 साल) किसी न किसी तरह के नशे की लत के संपर्क में हैं, जो एक गंभीर सामाजिक और स्वास्थ्य चुनौती है। स्टडी में यह भी कहा गया है कि लगभग 73% युवाओं को सही इलाज, काउंसलिंग या रिहैबिलिटेशन की सुविधा नहीं मिल पाती है, जिससे यह समस्या और बढ़ जाती है। PubMed 2025 के अनुसार, किशोरों में नशे की लत अब पब्लिक हेल्थ के लिए एक गंभीर खतरा बन गई है। चित्र में दिए गए डेटा के अनुसार, नशे की लत के सबसे आम कारण बेरोज़गारी और करियर को लेकर कन्फ्यूजन (28%) हैं, जिससे युवा अपने भविष्य को लेकर निराश महसूस करते हैं। इसके अलावा, मेंटल स्ट्रेस और डिप्रेशन (22%), दोस्तों का दबाव (18%), परिवार का टूटना (12%), सोशल मीडिया और डिजिटल लत (10%), और पढ़ाई का दबाव (10%) भी युवाओं को नशे की लत की ओर ले जाते हैं। यह तस्वीर साफ़ दिखाती है कि नशे की लत की समस्या सिर्फ़ पर्सनल नहीं है, बल्कि सामाजिक, साइकोलॉजिकल और आर्थिक हालात से भी जुड़ी है। इसलिए, युवाओं को सही शिक्षा, साइकोलॉजिकल सपोर्ट, करियर गाइडेंस और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित काउंसलिंग देने से उन्हें नशे की लत से उबरने में मदद मिल सकती है।

5.नशे के प्रमुख कारण

चित्र: 2

चित्र 02 युवाओं में नशे की आदत की समस्या के पीछे के मुख्य सोशल, साइकोलॉजिकल और इकोनॉमिक कारणों को दिखाता है। चित्र में बीच में एक परेशान और स्ट्रेस में रहने वाला युवा दिखाया गया है, जो आज के युवाओं की मेंटल हालत को दिखाता है। उसके चारों ओर बेरोज़गारी और करियर में कन्फ्यूजन, मेंटल स्ट्रेस और डिप्रेशन, परिवार में बिखराव, सोशल मीडिया और डिजिटल एडिक्शन, दोस्तों का असर और पढ़ाई का प्रेशर जैसे मुख्य कारणों को हाईलाइट किया गया है। चित्र साफ़ तौर पर दिखाता है कि जब युवा नौकरी, पढ़ाई और भविष्य को लेकर इनसिक्योरिटी महसूस करते हैं, तो स्ट्रेस और निराशा बढ़ जाती है। परिवार का सपोर्ट न मिलना और दोस्तों का नेगेटिव असर युवाओं को बुरी संगत में डाल सकता है और नशा की ओर ले जा सकता है। इसके अलावा, सोशल मीडिया और डिजिटल एडिक्शन भी युवाओं की मेंटल हेल्थ पर असर डाल रहे हैं। पढ़ाई का कॉम्पिटिशन और एग्जाम का प्रेशर भी युवाओं में एंग्जायटी और डिप्रेशन बढ़ाता है। चित्र यह मैसेज देता है कि ये सभी कारण मिलकर युवाओं को नशे की आदत की ओर धकेलते हैं और उनकी हेल्थ, पढ़ाई, परिवार और भविष्य पर नेगेटिव असर डालते हैं। इसलिए, युवाओं को मेंटल सपोर्ट, सही करियर गाइडेंस, परिवार का सपोर्ट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) बेस्ड काउंसलिंग सर्विस देना ज़रूरी है, ताकि उन्हें एक पॉज़िटिव दिशा दी जा सके।

© 2026 श्री अजय कुमार श्रीवास (ग्रंथपाल). This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

6. AI (Artificial Intelligence) का परिचय

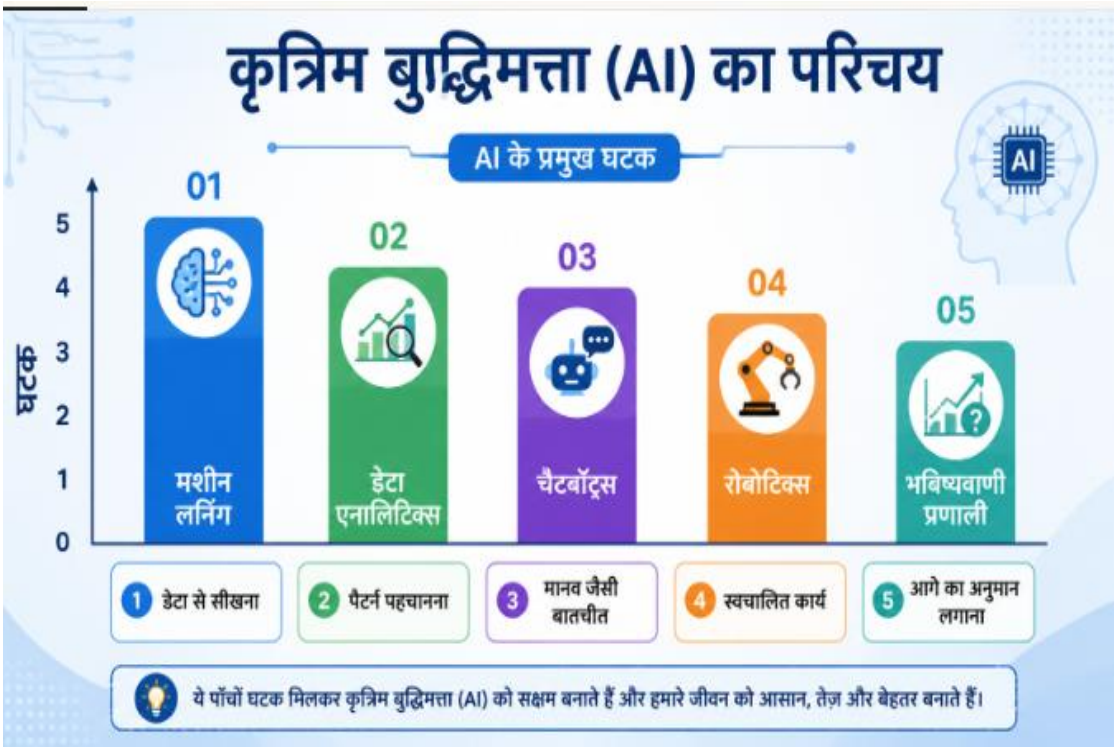

चित्र: 3

चित्र 03 आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (AI) के मुख्य डायनामिक्स और फ़ंक्शन को दिखाता है। यह फ़िगर AI को एक मॉडर्न टेक्नोलॉजी के तौर पर दिखाता है, जो अलग-अलग टेक्नोलॉजिकल कॉन्सेप्ट के ज़रिए इंसानी ज़िंदगी को आसान, तेज़ और ज़्यादा असरदार बनाता है। चित्र 03 के मुताबिक, AI के पाँच मुख्य हिस्से हैं: मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, चैटबॉट, रोबोटिक्स और प्रेडिक्शन सिस्टम। मशीन लर्निंग AI का एक हिस्सा है जो कंप्यूटर को डेटा से सीखने और अपनी फ़ैसले लेने की क्षमता डेवलप करने में मदद करता है। डेटा एनालिटिक्स ज़रूरी जानकारी और मैकेनिज़्म की पहचान करने के लिए बड़े डेटा को एनालाइज़ करता है। चैटबॉट इंसानों जैसी बातचीत कर सकते हैं और इनका इस्तेमाल एजुकेशन, हेल्थकेयर और कंसल्टिंग सर्विस में किया जाता है। रोबोटिक्स AI की एक ब्रांच है जो ऑटोमेटेड डिवाइस को अलग-अलग काम डायनामिक रूप से करने में मदद करती है। भविष्यवाणी प्रणाली (Prediction System) मौजूद डेटा के आधार पर भविष्य की संभावनाओं और व्यवहार का अनुमान लगाने में मदद करते हैं। चित्र 03 यह भी दिखाता है कि ये हिस्से मिलकर AI को मज़बूत बनाते हैं और इंसानी ज़िंदगी को ज़्यादा आरामदायक, तेज़ और ज़्यादा असरदार बनाते हैं। वर्तमान में एजुकेशन, हेल्थ, रोज़गार, मेंटल हेल्थ काउंसलिंग और करियर डेवलपमेंट जैसे एरिया में AI की भूमिका बहुत ज़रूरी हो गई है। इसलिए AI युवाओं को नशे की लत से बचने, मेंटल स्ट्रेस कम करने और सही करियर गाइडेंस देने में मदद करने के लिए एक असरदार टेक्नोलॉजिकल टूल के तौर पर उभर रहा है।

© 2026 श्री अजय कुमार श्रीवास (ग्रंथपाल). This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

7. युवाओं को नशे से दूर करने में AI की भूमिका

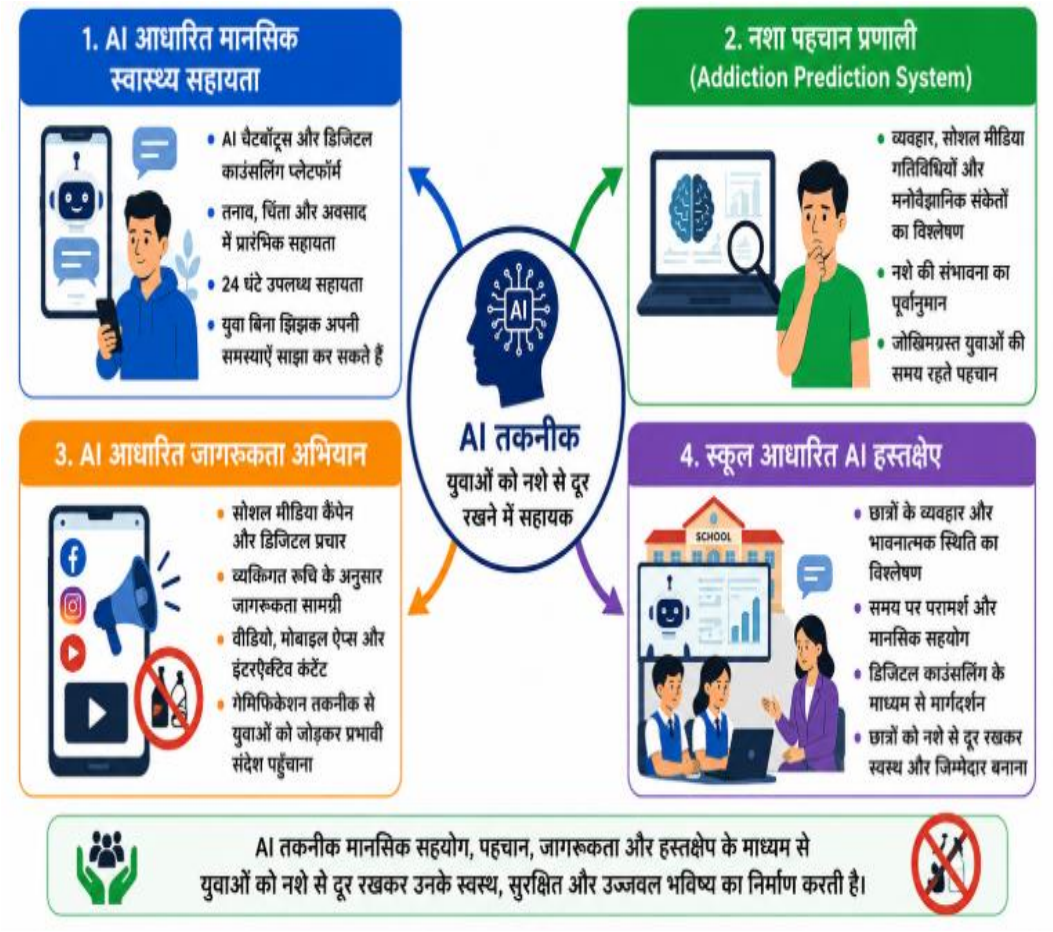

चित्र: 4

चित्र 04 युवाओं को नशे की लत से छुड़ाने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की अहम भूमिका को दिखाता है। चित्र 04 दिखाता है कि AI-बेस्ड मेंटल हेल्थ सपोर्ट, ड्रग आइडेंटिफ़िकेशन सिस्टम, अवेयरनेस कैंपेन और स्कूल-बेस्ड इंटरवेंशन युवाओं को सही दिशा में गाइड करने में मददगार हैं। AI चैटबॉट और डिजिटल काउंसलिंग युवाओं को साइकोलॉजिकल सपोर्ट देते हैं, जबकि AI-बेस्ड सिस्टम नशे की लत का अनुमान लगाने के लिए व्यवहार और सोशल मीडिया एक्टिविटी को एनालाइज़ करते हैं। इसके अलावा, सोशल मीडिया कैंपेन, मोबाइल ऐप और स्कूलों में डिजिटल काउंसलिंग का इस्तेमाल युवाओं को मेंटली एजुकेट और एम्पावर करने के लिए किया जाता है। यह चित्र 04 दिखाता है कि युवाओं को नशे की लत से दूर रखने और उनके लिए एक हेल्दी, सेफ़ और ब्राइट फ्यूचर बनाने में AI टेक्नोलॉजी कितनी अहम भूमिका निभाती है।

© 2026 श्री अजय कुमार श्रीवास (ग्रंथपाल). This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

8. कैरियर निर्माण में AI की भूमिका

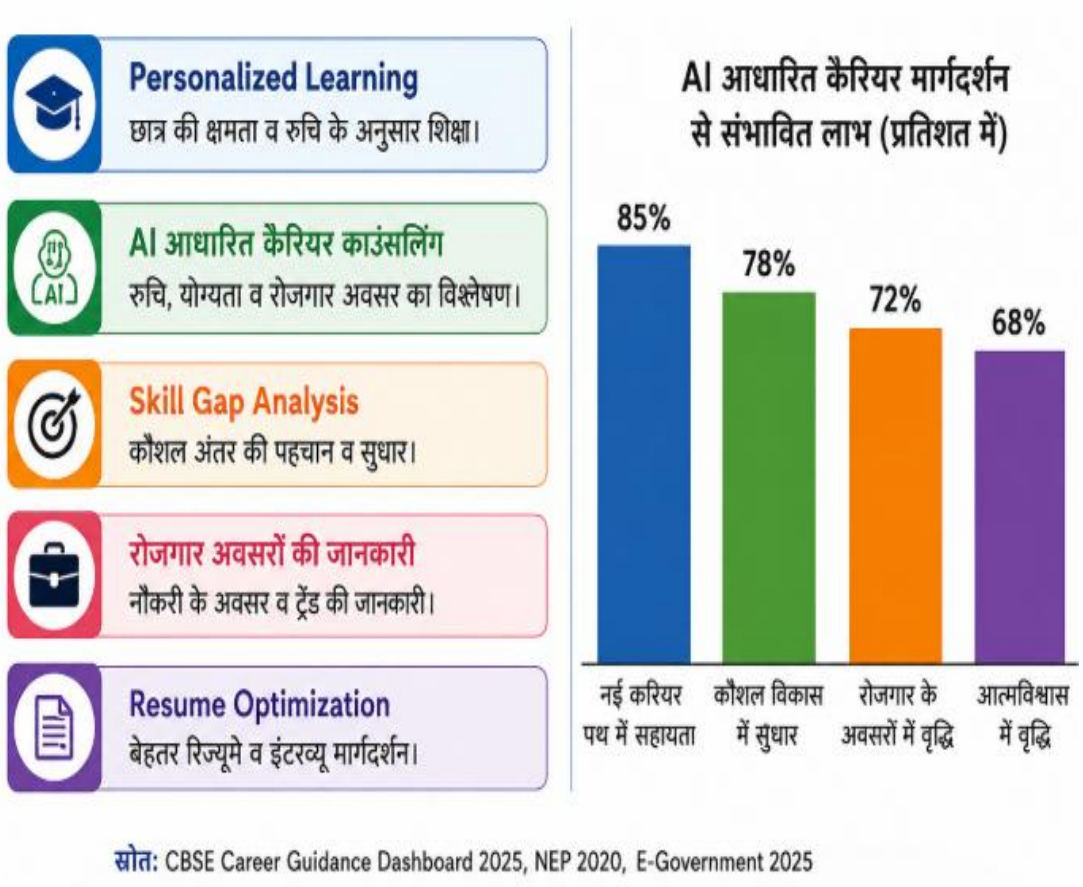

चित्र: 5

चित्र 05 युवाओं के करियर डेवलपमेंट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की भूमिका और इसके संभावित फ़ायदों को दिखाता है। चित्र 05 के बाईं ओर AI-बेस्ड करियर गाइडेंस के मुख्य हिस्से दिखाए गए हैं, जिसमें पर्सनलाइज़्ड लर्निंग, AI-बेस्ड करियर काउंसलिंग, स्किल गैप एनालिसिस, नौकरी के मौकों की जानकारी और रिज्यूमे ऑप्टिमाइज़ेशन शामिल हैं। पर्सनलाइज़्ड लर्निंग स्टूडेंट्स को उनकी काबिलियत और दिलचस्पी के हिसाब से एजुकेशन देती है। AI-बेस्ड करियर काउंसलिंग स्टूडेंट्स की काबिलियत, दिलचस्पी और नौकरी के मौकों का एनालिसिस करती है ताकि उन्हें सही करियर चुनने में मदद मिल सके। स्किल गैप एनालिसिस स्टूडेंट्स की कमज़ोरियों और ज़रूरी स्किल्स की पहचान करता है, और सुधार के मौके देता है। AI युवाओं को नौकरी के मौकों और मौजूदा रोज़गार के ट्रेंड्स के बारे में भी जानकारी देता है, बेहतर रिज्यूमे और इंटरव्यू की तैयारी में मदद करता है। चित्र 05 के दाईं ओर प्रतिशत के तौर पर AI-बेस्ड करियर गाइडेंस के संभावित फ़ायदे दिखाए गए हैं: 85% युवाओं को नए करियर के रास्ते खोजने में मदद मिलती है, 78% को बेहतर स्किल डेवलपमेंट मिलता है, 72% को नौकरी के ज़्यादा मौके मिलते हैं, 68% का सेल्फ़-कॉन्फ़िडेंस बढ़ता है। यह चित्र 05 साफ़ दिखाती है कि AI टेक्नोलॉजी युवाओं को सही करियर दिशा, स्किल डेवलपमेंट और रोज़गार के मौके देकर उनके उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

9. भारत सरकार एवं NEP 2020 की भूमिका

भारत सरकार की नई शिक्षा नीति 2020 तकनीक-सक्षम शिक्षा पर आधारित है।

© 2026 श्री अजय कुमार श्रीवास (ग्रंथपाल). This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

चित्र: 6

चित्र 06 नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 के तहत टेक्नोलॉजी और स्किल-बेस्ड एजुकेशन की खासियतों को दिखाता है। चित्र 06 दिखाता है कि नई एजुकेशन पॉलिसी का मकसद स्टूडेंट्स को मॉडर्न टेक्नोलॉजी, स्किल डेवलपमेंट और रोज़गार पर आधारित एजुकेशन से जोड़ना है, ताकि वे भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकें। चित्र 06 के बाईं ओर NEP 2020 का लोगो और किताबों के ज़रिए एजुकेशन की नींव दिखाई गई है, जबकि दाईं ओर इसके खास हिस्सों को एक के बाद एक दिखाया गया है।

चित्र 06 के मुताबिक, NEP 2020 का पहला खास हिस्सा डिजिटल एजुकेशन है, जो AI और टेक्नोलॉजी-बेस्ड एजुकेशन को बढ़ावा देती है। इसका मकसद स्टूडेंट्स को डिजिटल रिसोर्स, ऑनलाइन लर्निंग और मॉडर्न टेक्नोलॉजिकल नॉलेज से जोड़ना है। दूसरा हिस्सा स्किल-बेस्ड एजुकेशन है, जो भविष्य में रोज़गार के लिए ज़रूरी वोकेशनल और टेक्निकल स्किल डेवलप करने पर ज़ोर देता है। तीसरा सेक्शन मल्टीडिसिप्लिनरी स्टडीज़ को दिखाता है, जो स्टूडेंट्स को अलग-अलग सब्जेक्ट्स की इंटीग्रेटेड और फ्लेक्सिबल पढ़ाई करने का मौका देता है। चौथा हिस्सा रोज़गार पर आधारित करिकुलम है, जिसका मकसद इंडस्ट्री और जॉब मार्केट की ज़रूरतों के हिसाब से करिकुलम को तैयार करना है, ताकि स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद रोज़गार पा सकें। पांचवां सेक्शन AI और कोडिंग एजुकेशन पर फोकस करता है, जो स्टूडेंट्स को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कोडिंग और नई टेक्नोलॉजी की प्रैक्टिकल जानकारी देता है।

चित्र 06 में भारत सरकार का नेशनल सिंबल, "सत्यमेव जयते," और मैसेज, "एजुकेटेड यूथ, एम्पावर्ड इंडिया" भी दिखाया गया है, जो दिखाता है कि एजुकेटिड और टेक्नोलॉजिकली काबिल युवा ही देश बनाने की नींव हैं। डायग्राम का निचला हिस्सा साफ करता है कि NEP 2020 का मुख्य मकसद टेक्नोलॉजिकली काबिल, स्किल्ड और जिम्मेदार नागरिक बनाना है, जिससे भारत दुनिया भर में एक लीडिंग देश बन सके। इस तरह यह डायग्राम साफ करता है कि नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020 सिर्फ एजुकेशन रिफॉर्म तक ही सीमित नहीं है, बल्कि युवाओं को मॉडर्न टेक्नोलॉजी, AI, स्किल डेवलपमेंट और नौकरी से जोड़कर एक आत्मनिर्भर और एम्पावर्ड भारत बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

© 2026 श्री अजय कुमार श्रीवास (ग्रंथपाल). This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

10. चुनौतियाँ

चित्र: 7

चित्र 07 आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस (AI) के इस्तेमाल से जुड़ी मुख्य चुनौतियों को दिखाता है। फ़िगर के बीच में एक परेशान युवा को दिखाया गया है, जो दिखाता है कि AI टेक्नोलॉजी, अपने फ़ायदों के साथ-साथ, चुनौतियाँ और जोखिम भी पेश करती है। चित्र 07 के अनुसार, पहली चुनौती डिजिटल डिवाइड है, जो ग्रामीण और शहरी इलाकों के बीच टेक्नोलॉजिकल रिसोर्स में फ़र्क पैदा करती है। दूसरी चुनौती ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट एक्सेस की कमी है, जो AI-बेस्ड एजुकेशन और सर्विसेज़ के फ़ायदों को सभी युवाओं तक बराबर पहुँचने से रोकती है। तीसरी चुनौती डेटा प्राइवेसी से जुड़ी है, क्योंकि AI सिस्टम द्वारा पर्सनल जानकारी के गलत इस्तेमाल का खतरा है। चौथी चुनौती AI का गलत इस्तेमाल है, जहाँ टेक्नोलॉजी का गलत या अनैतिक इस्तेमाल समाज के लिए नुकसानदायक हो सकता है। पाँचवीं चुनौती डिजिटल एडिक्शन है, जहाँ टेक्नोलॉजी के ज़्यादा इस्तेमाल से मेंटल स्ट्रेस और सोशल आइसोलेशन हो सकता है। इसके अलावा, छठी चुनौती ट्रेंड शिक्षकों की कमी है, क्योंकि AI-बेस्ड एजुकेशन के लिए असरदार होने के लिए टेक्निकली ट्रेंड शिक्षकों की ज़रूरत होती है। चित्र 07 का निचला आधा हिस्सा दिखाता है कि इन चुनौतियों को हल करके AI का सुरक्षित, असरदार और फ़ायदेमंद इस्तेमाल कैसे पक्का किया जा सकता है। इस तरह, यह आंकड़ा साफ़ तौर पर दिखाता है कि AI टेक्नोलॉजी के सफल इस्तेमाल के लिए टेक्निकल फ़ीचर्स के अलावा, नैतिक बातों, सुरक्षा, ट्रेनिंग और जागरूकता पर खास ध्यान देने की ज़रूरत होती है।

11. मुख्य परिणाम

1. स्टडी से पता चला है कि भारत में युवाओं में नशे की लत की समस्या तेज़ी से बढ़ रही है, जिसका मुख्य कारण बेरोज़गारी, करियर में कन्फ्यूजन, मेंटल स्ट्रेस, फैमिली डेवलपमेंट और सोशल मीडिया और डिजिटल एडिक्शन है।
2. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) पर आधारित मेंटल हेल्थ सपोर्ट और डिजिटल लिटरेसी युवाओं को स्ट्रेस, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी समस्याओं से उबरने में असरदार तरीके से मदद कर रही है।
3. AI पर आधारित ड्रग डिटेक्शन सिस्टम, समय पर रिस्क वाले युवाओं के व्यवहार, सोशल मीडिया एक्टिविटी और साइकोलॉजिकल रिएक्शन का एनालिसिस करके उनकी पहचान करने में मददगार साबित हो रहे हैं।
4. AI पर आधारित करियर इनसाइट्स, पर्सनलाइज़्ड लर्निंग और स्किल गैप एनालिसिस युवाओं के स्किल डेवलपमेंट, रोज़गार के मौकों और सेल्फ-कॉन्फिडेंस को बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

© 2026 श्री अजय कुमार श्रीवास (ग्रंथपाल). This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/

5. नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 टेक्नोलॉजिकल, स्किल-बेस्ड और AI-इनेबल्ड एजुकेशन को बढ़ावा देकर युवाओं को मॉडर्न टेक्नोलॉजी, रोज़गार और आत्मनिर्भरता की ओर मज़बूत बना रही है। हालांकि, डिजिटल डिवाइड, डेटा प्राइवेसी और ट्रेंड शिक्षकों की कमी जैसी चुनौतियाँ बनी हुई हैं।

12. प्रमुख सुझाव

1. स्कूलों और कॉलेजों में AI-बेस्ड मेंटल हेल्थ और करियर काउंसलिंग सेंटर बनाए जाने चाहिए ताकि युवाओं को समय पर और सही गाइडेंस और काउंसलिंग मिल सके।
2. युवाओं को नशे की लत से बचाने के लिए AI-बेस्ड अवेयरनेस कैंपेन, मोबाइल ऐप, सोशल मीडिया कैंपेन और डिजिटल काउंसलिंग प्रोग्राम को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।
3. ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में इंटरनेट, डिजिटल रिसोर्स और टेक्नोलॉजिकल सुविधाओं को बढ़ाया जाना चाहिए ताकि सभी युवाओं को AI-बेस्ड एजुकेशन और सर्विसेज़ का बराबर फायदा मिल सके।
4. NEP 2020 के तहत, स्कूल और यूनिवर्सिटी लेवल पर AI, कोडिंग, डिजिटल एजुकेशन और स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम को असरदार तरीके से लागू किया जाना चाहिए।
5. AI टेक्नोलॉजी के सुरक्षित और सही इस्तेमाल के लिए, डेटा प्राइवेसी, साइबर सिक्योरिटी, डिजिटल बैलेंस और टीचर्स के लिए टेक्निकल ट्रेनिंग पर खास ध्यान दिया जाना चाहिए।

निष्कर्ष

भारत में युवाओं में नशे की लत तेज़ी से बढ़ रही है, इसकी मुख्य वजह बेरोज़गारी, मेंटल स्ट्रेस, करियर में कंफ्यूजन और डिजिटल एडिक्शन है। यहां दी गई रिसर्च से पता चलता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) युवाओं को ड्रग्स की लत से बचाने में असरदार भूमिका निभा सकता है। AI-बेस्ड मेंटल हेल्थ सपोर्ट, डिजिटल काउंसलिंग और ड्रग आइडेंटिफिकेशन सिस्टम युवाओं को समय पर मदद देते हैं। AI-बेस्ड अवेयरनेस कैंपेन युवाओं में ड्रग्स की लत के प्रति पॉजिटिव सोच को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, AI-बेस्ड करियर काउंसलिंग, पर्सनलाइज़्ड लर्निंग और स्किल गैप एनालिसिस युवाओं को सही एजुकेशनल और नौकरी के मौके देते हैं। नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (NEP) 2020 ने डिजिटल और स्किल-बेस्ड एजुकेशन को बढ़ावा देकर AI के इस्तेमाल को मज़बूत किया है। हालांकि, डिजिटल डिवाइड, डेटा प्राइवेसी और टेक्निकल रिसोर्स की कमी जैसी चुनौतियां बनी हुई हैं। इसलिए, सरकार, एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन और समाज के मिले-जुले प्रयासों से, AI टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल युवाओं को नशा मुक्त , एजुकेटेड और सेल्फ-रिलायंट बनाने के लिए किया जा सकता है।

संदर्भ सूची

1. Ministry of Education, Government of India. Ministry of Education. Government of India; Available from: https://www.education.gov.in/
2. Penubarthi S, et al. Drug use among Indian adolescents: the role of school-based programs. SAGE J. 2024. Available from: https://pmc.ncbi.nlm.nih.gov/articles/PMC11585918/
3. Frontiers in Psychiatry. Digital wellness and youth mental health in India. Front Psychiatry. 2025. Available from: https://www.frontiersin.org/journals/psychiatry/articles/10.3389/fpsyt.2025.1747027/full
4. International Journal of Community Medicine and Public Health. International Journal of Community Medicine and Public Health. 2025. Available from: https://www.ijcmph.com/index.php/ijcmph
5. Substance abuse in adolescents and youth. PubMed. 2025. Available from: https://pubmed.ncbi.nlm.nih.gov/40256096/

Creative Commons License

This article is an open-access article distributed under the terms and conditions of the Creative Commons Attribution–Non-commercial–No Derivatives 4.0 International (CC BY-NC-ND 4.0) License. This license permits users to copy and redistribute the material in any medium or format for non-commercial purposes only, provided that appropriate credit is given to the original author(s) and the source. No modifications, adaptations, or derivative works are permitted.

About the Author

श्री अजय कुमार श्रीवास पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में कार्यरत ग्रंथपाल एवं शोधार्थी हैं। वर्तमान में वे पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग, कलिंगा यूनिवर्सिटी, नया रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत में शोधरत हैं। उनकी रुचि पुस्तकालय स्वचालन, डिजिटल सूचना संसाधन, ज्ञान प्रबंधन तथा आधुनिक सूचना सेवाओं से संबंधित अनुसंधान में है।

© 2026 श्री अजय कुमार श्रीवास (ग्रंथपाल). This is an open-access article distributed under the terms of the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY NC ND).https://creativecommons.org/licenses/by/4.0/